पूर्वी सिक्किम में एनईएच के तहत "मीठेपानी की जलीयकृषि के आधुनिक तरीके" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा कृ अनु प- केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान,कोलकाता केंद्र ने पूर्वी सिक्किम के मत्स्य किसानों के लिए एनईएच योजना के तहत 18 से 20 मार्च, 2024 तक "मीठे पानी के जलीय कृषि के आधुनिक तरीकों" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण-सह-इनपुट वितरण कार्यक्रम का आयोजन मत्स्य पालन विभाग, सिक्किम सरकार, गंगटोक , सिक्किम द्वारा किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन मत्स्य पालन विभाग, सिक्किम सरकार के अतिरिक्त निदेशक श्री सी.एस.राय ने किया। सिक्किम, गंगटोक, सिक्किम के अन्य गणमान्य व्यक्तियों में, श्री नितेश गुरुंग, उप निदेशक; श्री नरेश सुनार, सहायक निदेशक, उपस्थित थे । उद्घाटन कार्यक्रम में संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. सुजाता साहू, वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ. सुमन मन्ना, वैज्ञानिक, कोलकाता केंद्र उपस्थित थे।डॉ. सुजाता साहू ने प्रतिभागियों को एकीकृत मछली पालन के अवलोकन और महत्व के बारे में जानकारी दी। डॉ. सुमन मन्ना, वैज्ञानिक एवं वैज्ञानिक कार्यक्रम के प्रशिक्षण समन्वयक ने विचार विमर्श किया। मिट्टी का प्रबंधन एवं एकीकृत मछली पालन में जल गुणवत्ता पैरामीटर, जल गुणवत्ता मानकों के लिए पीएच, घुलनशील ऑक्सीजन और अमोनिया परीक्षण किट का प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नौ महिला मत्स्य कृषकों एवं 11 पुरूष मत्स्य कृषकों ने भाग लिया। समापन कार्यक्रम में प्रशिक्षण मैनुअल, प्रमाण पत्र, पीएच एवं घुलित ऑक्सीजन परीक्षण किट, ट्राउट मछली बीज वितरित किये गये। मत्स्य पालन विभाग, सिक्किम सरकार द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की गई।

Group photo

Demonstration of water testing kits